केन्द्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई
4-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हेतु व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल

विषय

"अनुभवात्मक एवं संवादात्मक हिन्दी कक्षा: सक्रिय अधिगम की ओर"

प्रतिभागी

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक **(TGT –** हिन्दी**)**

अवधि

10 जुलाई **2026** से **13** जुलाई **2026** तक

कुल अवधि

4 दिवस

---

1. कार्यशाला की पृष्ठभूमि

हिन्दी भाषा का शिक्षण केवल पाठ्यपुस्तक के पाठों, प्रश्नोत्तर तथा व्याकरणिक नियमों तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, चिंतन करने, संवाद करने, सृजन करने और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में भाषा का प्रयोग करने के अवसर प्रदान करने वाला होना चाहिए।

इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए यह कार्यशाला "अनुभवात्मक एवं संवादात्मक हिन्दी कक्षा: सक्रिय अधिगम की ओर" विषय पर आधारित है। कार्यशाला का उद्देश्य हिन्दी शिक्षकों को ऐसी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं से परिचित कराना है, जिनमें विद्यार्थी कक्षा में निष्क्रिय श्रोता न रहकर सक्रिय सहभागी, चिंतक, सृजक एवं सह-अध्येता बनें।

कार्यशाला की समय-सारणी में अनुभवात्मक अधिगम, NEP की अपेक्षाएँ, भाषा-कौशल विकास, संवादात्मक कक्षा, सक्रिय अधिगम, परियोजना एवं दक्षता-आधारित शिक्षण, नाटक-कहानी-भूमिका अभिनय, AI एवं डिजिटल उपकरण, माइक्रो-टीचिंग तथा अनुभवात्मक दृष्टिकोण से प्रश्न-पत्र निर्माण जैसे प्रमुख आयाम शामिल हैं।

2. कार्यशाला के व्यापक उद्देश्य

कार्यशाला के अंत तक प्रतिभागी—

1. अनुभवात्मक, संवादात्मक एवं सक्रिय अधिगम की अवधारणा को समझ सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा शिक्षण को विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की रणनीतियाँ विकसित कर सकेंगे।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हिन्दी शिक्षण की अपेक्षाओं को कक्षा-अभ्यास से जोड़ सकेंगे।
4. सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना—चारों भाषा-कौशलों के समेकित विकास के लिए गतिविधियाँ तैयार कर सकेंगे।
5. संवादात्मक हिन्दी कक्षा के लिए प्रभावी प्रश्न, चर्चा एवं सहयोगात्मक अधिगम रणनीतियाँ अपना सकेंगे।
6. अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित पाठ-योजना तैयार कर सकेंगे।

7. परियोजना-आधारित हिन्दी शिक्षण को कक्षा में लागू कर सकेंगे।
8. कहानी, नाटक एवं भूमिका-अभिनय के माध्यम से भाषा-अधिगम को रोचक बना सकेंगे।
9. AI एवं डिजिटल उपकरणों का शैक्षिक एवं जिम्मेदार उपयोग कर सकेंगे।
10. माइक्रो-टीचिंग के माध्यम से अपनी शिक्षण दक्षताओं का अभ्यास एवं आत्ममूल्यांकन कर सकेंगे।
11. अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित प्रश्न-पत्र/मूल्यांकन उपकरण तैयार कर सकेंगे।
12. विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक, चिंतनपरक एवं वास्तविक जीवन से जुड़े अधिगम अनुभव तैयार कर सकेंगे।

3. अपेक्षित अधिगम परिणाम

कार्यशाला के पश्चात प्रतिभागी सक्षम होंगे—

क्षेत्र	अपेक्षित दक्षता
अवधारणात्मक समझ	अनुभवात्मक एवं संवादात्मक अधिगम की स्पष्ट समझ
भाषा शिक्षण	चारों भाषा-कौशलों का एकीकृत विकास
शिक्षण रणनीति	सक्रिय, सहयोगात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित तकनीकों का प्रयोग
पाठ-योजना	अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित पाठ-योजना निर्माण
गतिविधि निर्माण	हिन्दी के लिए रचनात्मक गतिविधियाँ विकसित करना
डिजिटल दक्षता	AI एवं डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग
मूल्यांकन	दक्षता-आधारित प्रश्न एवं रूब्रिक निर्माण
संचार	प्रभावी संवाद, चर्चा एवं प्रस्तुतीकरण
चिंतन	आत्ममूल्यांकन एवं सहकर्मी प्रतिपुष्टि
कक्षा-अनुप्रयोग	सीखी गई रणनीतियों को वास्तविक कक्षा में लागू करना

---

4. प्रशिक्षण की प्रस्तावित कार्यपद्धति

कार्यशाला में निम्नलिखित प्रशिक्षण पद्धतियों का समन्वित उपयोग किया जाएगा—

- अनुभव साझा करना
- विचार-मंथन (Brainstorming)
- Think–Pair–Share
- समूह चर्चा
- सहयोगात्मक अधिगम

- केस स्टडी
- समस्या-समाधान
- भूमिका-अभिनय
- कहानी-कथन
- नाटक
- परियोजना कार्य
- डिजिटल गतिविधियाँ
- AI आधारित गतिविधियाँ
- प्रदर्शन एवं अभ्यास
- माइक्रो-टीचिंग
- सहकर्मी प्रतिपुष्टि
- आत्ममूल्यांकन
- चिंतनात्मक लेखन

दिवस **1 –** अनुभवात्मक अधिगम की आधारभूमि

सत्र **1:** अधिगम में अनुभव एवं संवाद की भूमिका

समय**: 9:30–11:00** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागी—

- अनुभवात्मक अधिगम की आवश्यकता समझें।
- संवाद को भाषा-अधिगम का महत्वपूर्ण माध्यम मानें।
- शिक्षक-केंद्रित से विद्यार्थी-केंद्रित कक्षा की ओर संक्रमण को समझें।

प्रमुख विषय-वस्तु

1. अधिगम का अर्थ एवं स्वरूप
2. अनुभव और अधिगम का संबंध
3. अनुभव से ज्ञान, ज्ञान से कौशल और कौशल से दक्षता
4. संवादात्मक कक्षा की विशेषताएँ
5. विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी
6. शिक्षक की भूमिका—Instructor से Facilitator तक
7. वास्तविक जीवन से भाषा-अधिगम का संबंध

गतिविधि

“मेरी सबसे प्रभावी हिन्दी कक्षा”

प्रतिभागी अपनी किसी प्रभावी कक्षा का अनुभव साझा करेंगे और समूह यह पहचानेंगे कि उसमें कौन-कौन से अनुभवात्मक एवं संवादात्मक तत्व मौजूद थे।

अपेक्षित परिणाम

प्रतिभागी अनुभव एवं संवाद को प्रभावी हिन्दी शिक्षण के आधार के रूप में समझ सकेंगे।

सत्र **2:** हिन्दी शिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अपेक्षाएँ एवं प्री-टेस्ट

समय: **11:30–1:00** बजे **| 90** मिनट

समय-सारणी में इस सत्र को **NEP** अपेक्षाओं एवं प्री-टेस्ट के साथ निर्धारित किया गया है।

उद्देश्य

- हिन्दी शिक्षण के संदर्भ में समकालीन शैक्षिक अपेक्षाओं को समझना।
- दक्षता-आधारित एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण की आवश्यकता पहचानना।
- प्रतिभागियों की पूर्व जानकारी का आकलन करना।

विषय-वस्तु

- भाषा शिक्षा की बदलती भूमिका
- दक्षता-आधारित अधिगम
- बहुभाषिकता
- भारतीय भाषाओं का महत्व
- अनुभवात्मक अधिगम
- आलोचनात्मक एवं रचनात्मक चिंतन
- संचार कौशल
- समग्र विकास
- प्रौद्योगिकी का शैक्षिक उपयोग

गतिविधियाँ

1. Pre-Test
2. अपेक्षा-पत्र (Expectation Card)
3. “NEP और मेरी हिन्दी कक्षा” – समूह चर्चा

आउटपुट

प्रत्येक प्रतिभागी अपनी कक्षा में लागू किए जा सकने वाले कम-से-कम तीन परिवर्तन लिखेगा।

सत्र **3:** भाषा-कौशलों के विकास हेतु नवाचार एवं समूह निर्माण

समय: **2:00–3:30** बजे **|** **90** मिनट

उद्देश्य

चारों भाषा-कौशलों के विकास के लिए नवीन एवं गतिविधि-आधारित रणनीतियाँ विकसित करना।

विषय-वस्तु

सुनना

- श्रवण गतिविधियाँ
- ऑडियो आधारित कार्य
- निर्देश सुनकर कार्य करना
- श्रवण-बोध

बोलना

- संवाद
- वाद-विवाद
- चर्चा
- मौखिक प्रस्तुति
- कहानी-कथन

पढ़ना

- साझा पठन
- मौन पठन
- पूर्वानुमान आधारित पठन
- आलोचनात्मक पठन

लिखना

- रचनात्मक लेखन
- अनुभव लेखन
- डायरी लेखन
- संवाद लेखन
- दृश्य आधारित लेखन

समूह गतिविधि

प्रतिभागियों का विषय/कौशल आधारित समूह निर्माण।

समूह कार्य

प्रत्येक समूह को एक भाषा-कौशल दिया जाएगा और वह 20 मिनट की गतिविधि तैयार करेगा।

आउटपुट

चार भाषा-कौशलों के लिए गतिविधि-बैंक।

सत्र **4:** अनुभवात्मक अधिगम **–** सिद्धान्त एवं व्यवहार

समय**: 4:00–5:30** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

- अनुभवात्मक अधिगम की अवधारणा को गहराई से समझना।
- सिद्धान्त को कक्षा-व्यवहार से जोड़ना।
- हिन्दी विषय में अनुभवात्मक गतिविधियाँ तैयार करना।

प्रमुख बिंदु

अनुभव → **चिंतन** → **अवधारणा** → **प्रयोग** → **पुनः अनुभव**

गतिविधियाँ

- वास्तविक जीवन की घटना से पाठ आरम्भ करना
- चित्र/वीडियो देखकर प्रतिक्रिया
- स्थानीय परिवेश से भाषा-सामग्री एकत्र करना
- "करके सीखना"
- Reflective Journal

अभ्यास

प्रतिभागी किसी एक हिन्दी पाठ को अनुभवात्मक गतिविधि में परिवर्तित करेंगे।

दिवस**-1** का समापन कार्य

Reflection Note:
"आज मैंने क्या सीखा और अपनी हिन्दी कक्षा में क्या बदलूँगा?"

दिवस **2 –** संवादात्मक एवं सक्रिय हिन्दी कक्षा

सत्र **5:** संवादात्मक हिन्दी कक्षा **–** आवश्यकता**,** रणनीतियाँ एवं चुनौतियाँ

समय**: 9:30–11:00** बजे **| 90** मिनट

यह सत्र समय-सारणी में संवादात्मक हिन्दी कक्षा की आवश्यकता, रणनीतियों एवं चुनौतियों पर केंद्रित है।

उद्देश्य

- संवादात्मक कक्षा की विशेषताओं को समझना।
- विद्यार्थियों को अधिक बोलने के अवसर प्रदान करना।
- कक्षा में संवाद की बाधाओं को पहचानना।

विषय-वस्तु

- शिक्षक-विद्यार्थी संवाद
- विद्यार्थी-विद्यार्थी संवाद
- Open-ended Questions
- Probing Questions
- चर्चा एवं वाद-विवाद
- प्रश्नोत्तर से आगे बढ़कर संवाद
- शांत/कम बोलने वाले विद्यार्थियों की भागीदारी
- बड़ी कक्षा में संवाद प्रबंधन

गतिविधि

"एक प्रश्न – अनेक उत्तर"

प्रतिभागी एक सामान्य प्रश्न को अलग-अलग उच्च-स्तरीय प्रश्नों में बदलेंगे।

सत्र **6:** हिन्दी कक्षा में सक्रिय अधिगम तकनीकों का प्रयोग

समय**: 11:30–1:00** बजे **| 90** मिनट

प्रमुख तकनीकें

1. Think–Pair–Share
2. Jigsaw
3. Gallery Walk
4. Peer Learning
5. Concept Mapping
6. Question Carousel
7. Role Play
8. Fish Bowl Discussion
9. Exit Ticket
10. Learning Stations

गतिविधि

समूहों को एक हिन्दी पाठ दिया जाएगा। प्रत्येक समूह अलग सक्रिय-अधिगम तकनीक का उपयोग करके शिक्षण योजना तैयार करेगा।

आउटपुट

“मेरी 10 सक्रिय अधिगम तकनीकें” **–** व्यक्तिगत संसाधन-पुस्तिका।

सत्र **7:** अतिथि व्याख्यान

समय**: 2:00–3:30** बजे **| 90** मिनट

Dr Pallavi Prakash
Assistant Professor and Head, Department of Hindi, SNDT Women’s University, Mumbai

अतिथि व्याख्यान समय-सारणी में दिवस 2 के सत्र 7 के रूप में निर्धारित है।

प्रस्तावित प्रशिक्षण फोकस

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य शिक्षण की समकालीन प्रवृत्तियाँ
- विद्यार्थियों में भाषा के प्रति रुचि विकसित करना
- साहित्य और जीवन का संबंध
- रचनात्मकता एवं संवेदनशीलता
- भाषा शिक्षण में नवीन दृष्टिकोण

प्रतिभागी गतिविधि

One Takeaway – One Classroom Application

प्रत्येक प्रतिभागी व्याख्यान से एक प्रमुख विचार चुनकर उसका कक्षा-अनुप्रयोग लिखेगा।

सत्र **8:** भाषा-कौशलों के विकास हेतु नवाचार

समय**: 4:00–5:30** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

पहले दिन की अवधारणाओं को उन्नत गतिविधियों में बदलना।

गतिविधि बैंक

कौशल	नवाचार गतिविधि
सुनना	Podcast/Audio प्रतिक्रिया
बोलना	संवाद एवं मौखिक प्रस्तुति
पढ़ना	Critical Reading Cards
लिखना	Picture Prompt Writing

कौशल	नवाचार गतिविधि
समेकित	कहानी सुनो–बोलो–लिखो

समूह कार्य

एक 40-मिनट की integrated language activity तैयार करना।

गृहकार्य

“मेरी अभिनव हिन्दी गतिविधि” तैयार करें।

दिवस **3 –** दक्षता, परियोजना, कला एवं अभ्यास

सत्र **9:** परियोजना एवं दक्षता आधारित हिन्दी शिक्षण

समय: **9:30–11:00** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

- दक्षता आधारित हिन्दी शिक्षण को समझना।
- परियोजना को केवल गतिविधि न मानकर learning outcome से जोड़ना।
- वास्तविक जीवन आधारित परियोजनाएँ विकसित करना।

परियोजना के चरण

समस्या/विषय चयन → **योजना** → **सूचना संग्रह** → **सहयोग** → **निर्माण** → **प्रस्तुतीकरण** → **मूल्यांकन** → **चिंतन**

संभावित परियोजनाएँ

1. स्थानीय भाषा एवं बोलियों का दस्तावेजीकरण
2. स्थानीय साहित्यकारों का परिचय
3. विद्यालय की बहुभाषिकता का सर्वेक्षण
4. स्थानीय लोककथाओं का संकलन
5. पर्यावरण पर हिन्दी में डिजिटल पत्रिका
6. “मेरे शहर की भाषा” परियोजना
7. विद्यालय समाचार-पत्र
8. पुस्तक समीक्षा परियोजना

आउटपुट

प्रत्येक समूह एक **Competency-based Hindi Project Plan** तैयार करेगा।

सत्र **10:** अतिथि व्याख्यान

समय: **11:30–1:00** बजे **| 90** मिनट

Dr Dinesh Pathak
Associate Professor and HOD, Hindi Department, SIES College of Arts, Science and Commerce, Mumbai

समय-सारणी में दिवस 3 के सत्र 10 के रूप में अतिथि व्याख्यान निर्धारित है।

प्रस्तावित फोकस

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता
- साहित्य के माध्यम से जीवन-मूल्यों का विकास
- पाठ को जीवनानुभव से जोड़ना
- विद्यार्थियों में साहित्यिक अभिरुचि का विकास

गतिविधि

Literature to Life Connection

प्रतिभागी किसी साहित्यिक पाठ से संबंधित वास्तविक जीवन की परिस्थिति खोजेंगे।

सत्र **11:** हिन्दी शिक्षण में नाटक, कहानी एवं भूमिका-अभिनय

समय: **2:00–3:30** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

- कहानी एवं नाटक के माध्यम से भाषा-अधिगम को जीवंत बनाना।
- विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति एवं कल्पनाशक्ति बढ़ाना।
- संवाद, उच्चारण एवं भावाभिव्यक्ति विकसित करना।

तकनीकें

- Storytelling
- Story Completion
- Role Play
- Dramatization
- Reader’s Theatre
- संवाद निर्माण
- पात्र-विश्लेषण

गतिविधि

एक कहानी को—
कहानी → **संवाद** → **भूमिका-अभिनय** → **लघु नाटक**
में परिवर्तित करना।

अपेक्षित परिणाम

प्रतिभागी कम संसाधनों में नाट्य-आधारित हिन्दी गतिविधि संचालित कर सकेंगे।

सत्र **12:** माइक्रो-टीचिंग एवं प्रतिभागी प्रतिपुष्टि

समय**: 4:00–5:30** बजे **| 90** मिनट

समय-सारणी में माइक्रो-टीचिंग एवं प्रतिभागी प्रतिपुष्टि स्पष्ट रूप से निर्धारित है।

उद्देश्य

- प्रशिक्षण में सीखी तकनीकों का वास्तविक अभ्यास।
- शिक्षक की प्रस्तुति एवं संवाद कौशल का विकास।
- सहकर्मी प्रतिपुष्टि प्राप्त करना।

माइक्रो-टीचिंग संरचना

प्रत्येक प्रतिभागी:

1. विषय/पाठ का चयन
2. अधिगम परिणाम निर्धारित करेगा।
3. 8–10 मिनट की teaching प्रस्तुति देगा।
4. कम-से-कम एक active-learning technique प्रयोग करेगा।
5. सहकर्मी प्रतिपुष्टि प्राप्त करेगा।

प्रतिपुष्टि के मानदंड

मानदंड	अंक
अधिगम परिणाम की स्पष्टता	5
विद्यार्थी सहभागिता	5
संवादात्मकता	5
गतिविधि का उपयुक्त प्रयोग	5
भाषा की शुद्धता	5
प्रश्न पूछने की क्षमता	5

मानदंड	अंक
समय प्रबंधन	5
समापन/मूल्यांकन	5
कुल	**40**

दिवस **4 – AI,** डिजिटल संसाधन एवं मूल्यांकन

सत्र **13:** हिन्दी शिक्षण में **AI** एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग

समय**: 9:30–11:00** बजे **| 90** मिनट

समय-सारणी में दिवस 4 के प्रथम तकनीकी सत्र के रूप में AI एवं डिजिटल उपकरणों के उपयोग को रखा गया है।

उद्देश्य

- हिन्दी शिक्षण में डिजिटल उपकरणों की संभावनाएँ समझना।
- AI का जिम्मेदार एवं शैक्षिक उपयोग सीखना।
- डिजिटल सामग्री तैयार करना।

संभावित उपयोग

- पाठ-योजना निर्माण
- प्रश्न निर्माण
- स्तरानुसार अभ्यास
- कहानी/संवाद निर्माण
- शब्दावली निर्माण
- लेखन के लिए prompts
- formative assessment
- feedback
- differentiated learning
- digital worksheets

विशेष चर्चा

AI का उपयोग शिक्षक का स्थान लेने के लिए नहीं**,** बल्कि शिक्षक की रचनात्मक एवं शैक्षिक क्षमता को बढ़ाने के लिए।

व्यावहारिक गतिविधि

प्रतिभागी किसी एक हिन्दी पाठ के लिए AI/डिजिटल सहायता से:

- 5 competency-based questions
- एक activity
- एक worksheet
- एक assessment rubric

तैयार करेंगे।

सत्र **14:** अतिथि व्याख्यान

समय: **11:30–1:00** बजे **| 90** मिनट

Dr Sachin Gapat
Associate Professor, Hindi Department, Mumbai University, Mumbai

यह अतिथि व्याख्यान दिवस 4 के सत्र 14 के रूप में निर्धारित है।

प्रस्तावित फोकस

- उच्च शिक्षा और विद्यालयी हिन्दी शिक्षण के बीच संबंध
- भाषा एवं साहित्य की बदलती भूमिका
- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक एवं रचनात्मक दृष्टि
- समकालीन हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

गतिविधि

"विद्यालयी हिन्दी शिक्षा – भविष्य की दिशा"

प्रतिभागी 5 प्रमुख सुझाव तैयार करेंगे।

सत्र **15:** प्रश्न-पत्र निर्माण – अनुभवात्मक एवं संवादात्मक दृष्टिकोण

समय: **2:00–3:30** बजे **| 90** मिनट

उद्देश्य

- पारंपरिक प्रश्नों से competency-based questions की ओर बढ़ना।
- प्रश्नों में अनुभव, चिंतन, अनुप्रयोग एवं सृजन को स्थान देना।
- विविध प्रकार के प्रश्न तैयार करना।

प्रश्नों के संभावित स्तर

स्तर	उदाहरणात्मक कार्य
स्मरण	तथ्य/परिभाषा बताना
समझ	अपने शब्दों में समझाना
अनुप्रयोग	परिस्थिति में ज्ञान का प्रयोग

स्तर	उदाहरणात्मक कार्य
विश्लेषण	पाठ/स्थिति का विश्लेषण
मूल्यांकन	तर्क सहित मत देना
सृजन	नया संवाद/कहानी/लेख तैयार करना

प्रश्न निर्माण के सिद्धान्त

- प्रश्न स्पष्ट हों।
- learning outcome से जुड़े हों।
- केवल स्मृति पर आधारित न हों।
- वास्तविक जीवन से जुड़े हों।
- उच्च-स्तरीय चिंतन को बढ़ावा दें।
- भाषा-कौशलों का मूल्यांकन करें।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति को अवसर दें।

समूह कार्य

प्रत्येक समूह एक पाठ/इकाई के लिए **Competency-based Question Paper Blueprint** तैयार करेगा।

अंतिम आउटपुट

प्रश्न-पत्र + उत्तर-संकेत + मूल्यांकन रूब्रिक।

सत्र **16:** पोस्ट टेस्ट, फीडबैक, प्रमाण-पत्र वितरण एवं समापन समारोह

समय: **4:00–5:30** बजे

समय-सारणी में इस अंतिम सत्र में पोस्ट टेस्ट, फीडबैक, प्रमाण-पत्र वितरण एवं समापन समारोह निर्धारित है।

गतिविधियाँ

1. Post-Test

प्रशिक्षण के पश्चात अधिगम का आकलन।

2. Pre-Test एवं **Post-Test** तुलना

प्रतिभागियों की सीखने की प्रगति का विश्लेषण।

3. Participant Feedback

- विषय-वस्तु
- संसाधक

- प्रशिक्षण पद्धति
- गतिविधियाँ
- उपयोगिता
- समय प्रबंधन
- संसाधन
- भविष्य की अपेक्षाएँ

4. Reflective Exercise

"मेरी हिन्दी कक्षा में अगले 30 दिनों में तीन परिवर्तन"

5. प्रमाण-पत्र वितरण

6. समापन एवं प्रतिबद्धता

प्रत्येक प्रतिभागी एक **Classroom Action Commitment** प्रस्तुत करेगा।

5. चार-दिवसीय कार्यशाला का समेकित अधिगम चक्र

कार्यशाला को निम्न अधिगम यात्रा के रूप में संचालित किया जा सकता है—

दिवस **1**
अनुभव एवं संवाद
↓
दिवस **2**
सक्रिय एवं सहयोगात्मक अधिगम
↓
दिवस **3**
परियोजना, दक्षता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति
↓
दिवस **4**
AI, डिजिटल संसाधन एवं मूल्यांकन
↓
माइक्रो-टीचिंग + प्रतिपुष्टि
↓
कक्षा में अनुप्रयोग

6. प्रतिभागियों के लिए अपेक्षित प्रमुख आउटपुट

चार दिनों के अंत तक प्रत्येक प्रतिभागी के पास निम्न संसाधन होने चाहिए—

1. एक अनुभवात्मक हिन्दी पाठ-योजना
2. एक संवादात्मक पाठ-योजना
3. चार भाषा-कौशलों की गतिविधियाँ
4. एक सक्रिय-अधिगम गतिविधि

5. एक परियोजना-आधारित अधिगम योजना
6. एक कहानी/नाटक/भूमिका-अभिनय गतिविधि
7. AI/डिजिटल आधारित हिन्दी गतिविधि
8. माइक्रो-टीचिंग प्रस्तुति
9. एक competency-based question paper
10. एक assessment rubric
11. व्यक्तिगत classroom action plan

7. मूल्यांकन रणनीति

कार्यशाला का मूल्यांकन केवल अंतिम परीक्षा तक सीमित न रहकर निरंतर एवं बहुआयामी होना चाहिए।

मूल्यांकन के साधन

- Pre-Test
- Post-Test
- समूह गतिविधियाँ
- प्रस्तुतीकरण
- माइक्रो-टीचिंग
- Peer Feedback
- Reflection Journal
- परियोजना कार्य
- प्रश्न-पत्र निर्माण
- Classroom Action Plan

प्रस्तावित मूल्यांकन मॉडल

पूर्व ज्ञान → **प्रशिक्षण में सहभागिता** → **प्रदर्शन** → **प्रतिपुष्टि** → **सुधार** → **अंतिम प्रदर्शन**

---

8. माइक्रो-टीचिंग हेतु प्रतिपुष्टि प्रारूप

"दो अच्छी बातें + एक सुधार सुझाव"

मुझे विशेष रूप से अच्छा लगा—

1. _____
2. _____

एक सुझाव—

मैं इस रणनीति को अपनी कक्षा में अपनाऊँगा/अपनाऊँगी—

---

9. प्रतिभागी चिंतन-पत्र

प्रत्येक दिन के अंत में प्रतिभागी निम्न प्रश्नों पर चिंतन करेंगे—

आज मैंने सीखा—

मुझे सबसे उपयोगी लगा—

मुझे अभी और समझने की आवश्यकता है—

मैं इसे अपनी कक्षा में इस प्रकार लागू करूँगा/करूँगी—

---

10. 30-दिवसीय **Classroom Action Plan**

कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों को अपने विद्यालय में निम्न योजना लागू करने हेतु प्रेरित किया जाए—

अवधि	कार्य
सप्ताह 1	एक संवादात्मक गतिविधि
सप्ताह 2	एक अनुभवात्मक पाठ
सप्ताह 3	एक सक्रिय-अधिगम रणनीति
सप्ताह 4	एक competency-based assessment

इसके बाद शिक्षक अपने अनुभव, विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया एवं सीखने के परिणामों का संक्षिप्त दस्तावेज तैयार कर सकते हैं।

---

11. कार्यशाला का अपेक्षित प्रभाव

इस प्रशिक्षण के माध्यम से हिन्दी कक्षा—

“पाठ पढ़ाने की कक्षा” से “भाषा का अनुभव करने की कक्षा”

की ओर अग्रसर होगी।

शिक्षक—

ज्ञान प्रदाता → **Facilitator** → **Mentor**

की भूमिका में विकसित होंगे।

विद्यार्थी—

श्रोता → **सहभागी** → **चिंतक** → **सृजक**

की भूमिका में आगे बढ़ेंगे।

और हिन्दी शिक्षण—

पाठ्यपुस्तक-केंद्रित → **अनुभव-केंद्रित** → **संवाद-केंद्रित** → **दक्षता-केंद्रित**

दृष्टिकोण की ओर विकसित होगा।

---

12. समापन संदेश

चार दिवसीय कार्यशाला का अंतिम उद्देश्य केवल कुछ नई शिक्षण तकनीकों से परिचित कराना नहीं, बल्कि हिन्दी शिक्षकों में ऐसी शैक्षिक दृष्टि एवं व्यावहारिक क्षमता विकसित करना है, जिससे वे अपनी कक्षाओं को अधिक जीवंत, संवादात्मक, अनुभवात्मक, समावेशी, रचनात्मक एवं दक्षता-आधारित बना सकें।

“जहाँ विद्यार्थी केवल सुनता नहीं,
सोचता है;
केवल पढ़ता नहीं,
अनुभव करता है;
केवल उत्तर नहीं देता,
प्रश्न भी करता है;
और केवल सीखता नहीं,
सीखी हुई बातों को जीवन में प्रयोग करता है—
वही वास्तविक सक्रिय अधिगम की हिन्दी कक्षा है।”

संक्षिप्त सत्र-मानचित्र

दिवस	सत्र	मुख्य विषय	प्रमुख आउटपुट
दिवस 1	1	अनुभव एवं संवाद	अनुभवात्मक अधिगम की समझ

दिवस	सत्र	मुख्य विषय	प्रमुख आउटपुट
	2	NEP अपेक्षाएँ + Pre-Test	व्यक्तिगत लक्ष्य
	3	भाषा-कौशलों में नवाचार	गतिविधि बैंक
	4	अनुभवात्मक अधिगम	अनुभवात्मक पाठ-योजना
दिवस 2	5	संवादात्मक कक्षा	संवाद रणनीतियाँ
	6	सक्रिय अधिगम	Active Learning Plan
	7	अतिथि व्याख्यान	प्रमुख Takeaways
	8	भाषा-कौशल नवाचार	Integrated Activity
दिवस 3	9	परियोजना एवं दक्षता आधारित शिक्षण	Project Plan
	10	अतिथि व्याख्यान	Literature-Life Connection
	11	नाटक, कहानी, भूमिका-अभिनय	Creative Activity
	12	माइक्रो-टीचिंग	Peer Feedback
दिवस 4	13	AI एवं डिजिटल उपकरण	AI-supported Lesson Activity
	14	अतिथि व्याख्यान	Future-ready Hindi Teaching
	15	अनुभवात्मक प्रश्न-पत्र	Question Paper + Rubric
	16	Post-Test + Feedback + समापन	Action Plan